**4. विक्रय विलेख के परिशुद्धि के लिए वाद।**

......... न्यायालय

वाद सं ..............

.............. सन् २०२१

अबक ------ वादी

बनाम

कखग ------ प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. यह कि प्रतिवादी ................ ................... का उपनिवेशक है। उसने कथित तारीख पर निष्पादित किये गये एक रजिस्ट्रीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से दिनांक ............... को रुपये में नीचे ब्यौरेवार.................. वर्गगज का माप मान रखने वाले एक भूखण्ड का विक्रय कर दिया। और वादी को उसका कब्जा दे दिया।

**भूखण्ड के ब्यौरे**

निम्न की भांति आबद्ध किये गये ग्रामीण अभिलेखों के ............................ के ग्राम ............... खसरा भूखण्ड सं. .............................. में स्थित है।

* 1. **पूर्व में**
	2. **पश्चिम में**
	3. **उत्तर में**
	4. **दक्षिण में**
1. प्रतिवादी ने किसी प्रकार भूखण्ड के खसरा सं0 का विक्रय विलेख में नहीं वर्णन किया और यह भी उल्लेख करने का लोप किया कि क्या भूमि भूमिधरी या अन्यथा है? तद्नुसार जब वादी ने ........................................ के........... के समक्ष दाखिल खारिज के लिए एक आवेदन पत्र समक्ष दाखिल खारिज के लिए के साथ विक्रय विलेख को प्रस्तुत किया जिसने कथित विक्रय विलेख को वापस कर दिया और इस टिप्पणी के साथ दाखिल खारिज के लिए आवेदन पत्र को अस्वीकृत कर दिया कि कोई खसरा संख्या विक्रय विलेख में प्रविष्ट किया जाता है और भूमि की प्रकृति का भी वर्णन नहीं किया जाता है; तो ऐसे रूप में कोई दाखिल खारिज वादी के नाम से नहीं की जा सकती है।
2. यह कि तहसीलदार के उपर्युक्त आदेश पर वादी को विक्रय विलेख में दोष की जानकारी हो गयी।
3. यह कि वाद हेतुक दिनांक........२०२१................ को न्यायालय की अधिकारिता के ऊपर पैदा हुआ जब विक्रयविलेख में दोष वादी की जानकारी में आया।
4. यह कि वाद का मूल्यांकन रुपये किया जाता है। प्रतिवादी को संदाय किये गये भूखण्ड का मूल्य और जारी किया जाने वाला आन्यापक व्यादेश के प्रयोजनार्थ, यह ................................................... रुपये / ऊपर मूल्यांकन का पाँचवां स्थान और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

दावाकृत अनुतोष

वादी विक्रय विलेख में भूखण्ड के वर्णन में "भूमिधरी" भूमि की प्रकृति तथा भूखण्ड का खसरा संख्या जोड़कर उपर्युक्त विक्रय विलेख की परिशुद्धि करने के लिए प्रतिवादी को एक आज्ञापक व्यादेश को जारी करने का दावा करता है।

 वादी

जरिये अधिवक्त

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा.................................. लगायत............................................ की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी